



महाकुंभ 2025- सीएम योगी ने अपने मंत्रियों के साथ पवित्र संगम में लगाई आस्था की झुबकी

महाकुंभ नगर । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डिस्ट्री सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई । इसकी जानकारी सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तस्वीर शेयर करते हुए दी । सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा, तत्राभिषेकं यः कुर्यात् संगमे शंसितत्रतः । तुल्यं फलमवाज्ञोति राजसूयाश्वमेधयोः ॥ एकता, समता और समरसता के महासमागम, भारतीयता और मानवता के महोत्सव, महाकुंभ -2025, प्रयागराज में आज अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ पवित्र त्रिवेणी संगम में पावन स्नान का सौभाग्य प्राप्त हुआ । मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती सभी का कल्प्याण करें । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ प्रयागराज में प्रवासी पक्षियों को दाना भी खिलाया । सभी त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए एक विशेष नाव पर सवार हुए । इसके पहले कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री



योगी और सभी मंत्री अरैल घाट से संगम के लिए रवाना हुए। गास्ते में साइबेरियन पक्षियों और मछलियों को दाना खिलाया। इसके बाद संगम में मुख्यमंत्री योगी और सभी मंत्रियों ने स्नान किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश वाठक और अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ महाकुंभ दौरान त्रिवेणी संगम पर पूजा-अर्चन भी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कैबिनेट मीटिंग के बाद बैठक में हुई चर्चा पर जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार को लेकर नई पालिसी बनाने पर चर्चा हुई, इस पालिसी में बड़े निवेश को आमंत्रित करने के लिए इंसेंटिव की चर्चा हुई है। इसके साथ ही युवाओं को स्मार्टफोन-टैबलेट देने की बात पर मन्त्रिमंडल की बैठक में चर्चा की गई है।

कैबिनेट बैठक में बागपत, हाथरस और कासगंज में नए मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। प्रयागराज के पास चार लेन ब्रिज बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

गुंडागर्दी पर उतर आई है भाजपा,
पुलिस भी कर रही है सपोर्ट - आतिशी



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा है कि अब भाजपा जब देख रही है कि वह पूरी तरह से दिल्ली में हार रही है तो वह गुंडागर्दी और गाली-गलौज पर उतर आई है और आप कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता और मारपीट की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस वार्ता कर सभी घटनाओं को साझा किया है। आतिशी ने कहा कि जब से रमेश बिधूड़ी भारतीय जनता पार्टी से कालकाजी विधानसभा में चुनाव लड़ रहे हैं, लगातार गुंडागर्दी और दहशत का माहौल भारतीय जनता पार्टी द्वारा कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में बनाया जा रहा है। विधानसभा के हर इलाके में भाजपा के कार्यकर्ता और कई लोग जो कहते हैं कि हम रमेश बिधूड़ी के भतीजे हैं, वो आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को डरा रहे हैं, धमका रहे हैं। उनका कॉलर पकड़ रहे हैं। उनका पार्टी प्रचार का सामान छीनकर उसे जला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक हफ्ते में हुई ऐसी गुड़गार्दी की घटनाएं आप सभी के साथ साझा करना चाहूँगी। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को गिरी नगर इलाके में आम आदमी पार्टी के वार्ड अध्यक्ष अरुण चौहान और हमारी महिला विंग की टीम के साथ डोर टू डोर कैंपेन कर रहे थे। वहां पर भारतीय जनता पार्टी के राजीव भाटी, जो कहते हैं कि आर इसका कल मन चुनाव अयोग से शिकायत भी की है। आतिशी ने कहा कि 21 तारीख को गिरी नगर में मानव कल्याण कैंप के सामने फिर से राजीव ने हमारे कार्यकर्ता रोशन चौहान को रोका और कहा कि भारतीय जनता पार्टी में आ जाओ। फिर उन्होंने कहा कि रमेश बिधूड़ी आपसे फोन पर बात करना चाहते हैं। राजीव ने अपने फोन से रमेश बिधूड़ी को फोन लगाया और रोशन चौहान से बात करवाई। रमेश बिधूड़ी ने उन्हें बोला कि बहुत प्रचार कर रहे हों, बहुत फुर्ती आ गई है तुम्हारे अंदर। भारतीय जनता पार्टी में तुम पहले थे, वापस आ जाओ। जब उन्होंने मना कर दिया, तो रमेश बिधूड़ी ने उन्हें कहा कि तुम्हारी बेटी का ग्रेटर कैलाश में घूमते हुए कई वीडियो हैं, वायरल कर दूंगा। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है। जिस तरह से गुंडागर्दी और हिंसा भारतीय जनता पार्टी फैला रही है। यह जो आतिशी ने कहा, यह वारदातें केवल उनकी विधानसभा तक सीमित नहीं हैं। पूरी दिल्ली के अंदर मेरे पास न जाने कितने हमारे कैंडिडेट आ चुके हैं। मेरी अपनी विधानसभा में, राजेंद्र नगर में, इधर-उधर कई जगहों पर हमने देखा है और शिकायत आ रही है कि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से गुंडागर्दी के ऊपर उतरी हुई है। कोई भी पार्टी या कोई भी कैंडिडेट हिंसा क्यों करता है? उसे हिंसा करने की जरूरत क्यों पड़ती है? वह तभी हिंसा करता है जब वह देखता है कि बाकी अन्य अहिंसात्मक तरीके से शर्तात्पुर्ण

मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर हजारों विदेशी भक्त लगाएँगे पावन त्रिवेणी में पूण्य की डुबकी



An aerial photograph showing a massive crowd of people gathered along a riverbank. The river flows through the center of the frame, with numerous small boats visible on the water. The banks are densely packed with people, many of whom appear to be wearing traditional Indian attire. The scene is set against a backdrop of green trees and hills under a clear sky.

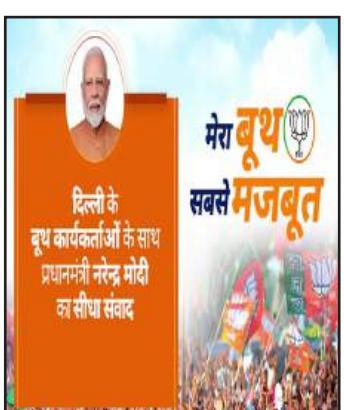
महाकुंभ मगर । महाकुंभ नगर में 29 जनवरी को होने जा रहे मौनी अमावस्या के अमृत स्नान में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए 10 करोड़ लोगों के पावन त्रिवेणी के तट पर पहुंचने का अनुमान है जिनमें विदेशी श्रद्धालु भी होंगे । आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर होने वाला अमृत स्नान प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं के सैलाब को लेकर नया कोर्तिमान दर्ज करने जा रहा है । प्रशासन के दावे के मुताबिक इस स्नान पर्व में सात से 10 करोड़ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के महाकुंभ पहुंचने का अनुमान है जिसे लेकर तैयारियां जोरें पर हैं । प्रशासन के साथ साथ साधु संतों के शिवरियों में भी इस पावन अवसर पर आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था की जा रही है । श्री पंच दृश्णाम जना अख्खड़े के महामंडलेश्वर

विश्व बंधुत्व का भाव भारतीय संस्कृति का मूल है और प्रयागराज महाकुंभ में पायलट बाबा के शिष्य महामंडलेश्वर स्वामी विष्णुदेवानंद जी के शिविर में इसकी ज्ञालक देखने को मिल रही है । यहां युद्धरत देशों यूक्रेन और रूस के नागरिक एक ही मंच पर एक साथ अपने गुरु के सानिध्य में विश्व शांति के लिए शिवानाम का जाप कर रहे हैं । रूसी के नागरिक एंड्री खुद को भगवान शिव का भक्त बताते हुए कहते हैं कि गंगा में डुबकी लगाना एक रहस्य जैसा अनुभव है । वर्हीं, यूक्रेन से आए ओली सिमोवा भी स्वामी विष्णुदेवानंद जी के शिविर में एंड्री के साथ मिलकर शिवानाम का जाप करते हैं । सिमोवा बताते हैं कि दस साल से वह भारत आ रहे हैं और गुरु के मार्गदर्शन में भगवान शिव का ध्यान करते हैं ।

जो राम को लेकर आए, उनका राज होगा दिल्ली
में, भाजपा ने लाँच किया नया कैंपेन सॉन्ना

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को एक नया सॉन्ग जारी किया, जिसमें अयोध्या में राम मंदिर का जिक्र भी किया गया है। जो राम को लेकर आए, उनका राज होगा दिल्ली में शीर्षिक वाले इस गीत में दिल्लीवासियों के समक्ष आने वाले प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है, जैसे प्रदूषण, गंदा पेयजल, अनुचित कचरा निपटान, सीधेज की समस्या और लैंडफिल का ओवरफ्लो होना। भाजपा ने दिल्ली में डबल इंजन सरकार के नारों पर जोर देते हुए सत्ता में आने पर बिना किसी भेदभाव के स्वास्थ्य बीमा का वादा किया है। इस गीत में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर कटाक्ष करते हुए मौजूदा सरकार की आलोचना करने के लिए आपदा और चोर जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। पार्टी ने विश्वास जताया कि दिल्ली के मतदाता आम आदमी पार्टी (आप) की जगह भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर इस गीत पोस्ट करते हुए भाजपा ने लिखा, जनता ने तय कर लिया है कि 2025 में चोरों को हटाकर भाजपा को लाना है। आगे लिखा है, दिल्ली में मोदी के किसी शेर का राज होगा। जो राम को लाए हैं, वही दिल्ली पर राज करेंगे ! यह चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा का पहला गीत नहीं है। इससे पहले पार्टी ने एक और चुनावी गीत जारी किया था, बहाना नहीं बदलाव चाहिए, दिल्ली में भाजपा की सरकार चाहिए, जिसे भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने गाया था। इस गीत को आधिकारिक तौर पर पिछले सप्ताह रोहिणी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तन रैली के दौरान लॉन्च किया गया था और 5 फरवरी को होने वाले चुनाव अभियान के तहत इसे व्यापक रूप से प्रसारित किया गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पार्टी के मेरा बैठ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए दिल्ली भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करने वाले हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ हप्ते पहले यह बातचीत दोपहर 1 बजे होगी। दिल्ली के सभी 256 वार्डों के 13,033 बूथों से पार्टी सदस्य इस वर्चुअल कार्यक्रम में भाग लेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी को होगी।

पीएम मोदी का आप और के जरीवाल पर तंज, जनता जवाब दे रही, ये फिर खाएँगे



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड विजय की बात कही। उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि ये आप वाले आजकल नारे बुलवाते हैं कि फिर आएंगे, फिर आएंगे। लेकिन, जनता इन्हें जवाब दे रही है कि ये फिर खाएंगे, फिर खाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली वाले आप वालों की आप-दा और उनके झूठ एवं फरेब से अब ऊब चुके हैं। पहले कांग्रेस ने और फिर आप वालों की आप-दा ने दिल्ली के लोगों से बहुत विश्वासघात किया है। ये आप-दा वाले अब हर दिन एक नई घोषणा कर रहे हैं। इसका मतलब है कि उनको रोज पराजय की नई-नई खबरें मिल रही हैं। ये इतने डरे हुए हैं कि इन्हें रोज सुबह एक नई घोषणा करनी पड़ रही है। लेकिन, अब दिल्ली की जनता इनका खेल समझ गई है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में जो आप वाले आपदा लाकर बैठे हैं, उन्हें अपने हिस्से का जो पैसा दिल्ली की गलियों, सीवर सिस्टम बनाने, पार्क बनाने और स्वच्छता

पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मेरा बूथ, सबसे मजबूत केवल एक कार्यक्रम नहीं है। ये भाजपा की जीवंतता, भाजपा की जड़ों की ताकत और जन जड़ों से भाजपा का विस्तार हुआ है, उसके मूल में आप सब कार्यकर्ताओं ने जिसे अपना जीवन मंत्र बनाया है, वो है मेरा बूथ, सबसे मजबूत। दिल्ली के बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं की क्या ताकत है, ये किसी से छुपा नहीं है। इस बार आपने दिल्ली के हजारों बूथ जीते, तब जाकर सातों सीटों पर भाजपा विजयी हुई है। मुझे पक्का विश्वास है कि दिल्ली में ये जो संगठन की ताकत है, हर बूथ पर तीन-तीन, चार-चार पीढ़ी के कार्यकर्ता हैं, यही शक्ति इस बार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को प्रचंड विजय दिलाएगी। मुझे विश्वास है कि अपने-अपने बूथ पर आप जो मेहनत कर रहे हैं, उसके चलते आप भारी विजय प्राप्त करने ही वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत पक्की करने के लिए दिल्ली की जनता पक्के निर्णय के साथ निकल पड़ी है। साथियों, आपको 5 फरवरी को दिल्ली के लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पोलिंग बूथ तक पहुंचाना है। ठंड कितनी ही क्यों न हो, हमें सुबह से ही मतदान की तीव्रता को बढ़ाना है।

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने कर्नाटक में हुए हादसे पर जताया दुख, आर्थिक मदद का ऐलान

नई दलितों। कनाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के यालापुरा हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्वौपदी मुमूर्ख और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने सड़क हादसे में जान गंवाने वाले परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्वौपदी मुमूर्ख के कार्यालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में एक सड़क दुर्घटना में लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु से दुखी हूं। मैं शोक सत्त्व परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी का हवाला देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में हुए हादसे में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। मेरी उन लोगों के प्रति संवेदना है, जिन्होंने अपने परिवार ताल्लुमें कोरोना दी। घायलों के पीछे लकी कामना करता हूं। स्थानांशु व्यापारी को भी धूम धूम लाना चाहता हूं।

न्यायपालिका को अस्त्र बना दिया गया है- धनखड़

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संसदीय व्यवस्था में व्हिप की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए बुधवार को कहा कि विधायी सदन में अराजकता, विघटन और व्यवधान को सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा है। श्री धनखड़ ने यहां भारतीय लोकतांत्रिक नेतृत्व संस्थान के एक समूह के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कृच्छर्वशों में न्यायपालिका तक की पहुंच को अस्त्र बना दिया गया है। यह प्रवन्नि शासन

स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, लेकिन व्हिप इस रास्ते में बाधा है। संसद् संचालन में बाधाओं का उल्लेख करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि जो कभी लोकतंत्र का मंदिर था, अब वह अखाड़ा बन गया है। यह एक युद्ध भूमि बन गई है। लोग 'मर्यादा' शब्द को भूल चुके हैं और 'गरिमा' का कोई अर्थ नहीं रह गया है। उन्होंने कहा, संस्थाएं अन्य संस्थाओं के सामने घुटने टेक रही हैं, और यह तात्कालिक सुविधा के कारण हो रहा है। यह तात्कालिक लाभ तो दे सकते हैं

उस पकड़ू भारा और जो पत्र उसका
हाथ में थे, उन्हें जला दिया। इसी तरह¹
गहरा है, काइ स्प्रिटल सापा गहरा है, काइ
एडिशनल सीपी नर्ही है।

वकीलों की हड़ताल के कारण राहुल गांधी के मामले की सुनवाई 30 जनवरी तक टली



प्रधानमंत्री मोदी अगले सप्ताह ओडिशा व्यापार सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे



भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक व्यापार सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे से डेढ़ घंटे तक 'उत्कष ओडिशा - मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' के कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे। राज्य के इस प्रमुख व्यापार सम्मेलन में भारत और विदेशी उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सम्मेलन में स्थल पर जाएंगे। वह दोपहर 12.55 बजे ओडिशा से रवाना होंगे। ओडिशा सरकार द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उत्पादन, खनन, हरित ऊर्जा, आईटी और आधारभूत संरचना(इन्फ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्रों में अवसरों की खोज में रुचि रखने वाले उद्योगपतियां, नीति निर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की भागीदारी होगी। इस महीने में प्रधानमंत्री का ओडिशा का यह दूसरा दौरा होगा। इससे पहले वह नौ जनवरी को भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

देश में एक मौलिक अधिकार है, और वह है कि हम न्यायपालिका तक पहुंच सकते हैं, लेकिन पिछले कुछ दशकों में, न्यायपालिका तक की पहुंच को अस्त्र बना दिया गया है। यह शासन और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने कहा कि दिन-प्रतिदिन ऐसे परिपत्र जारी हो रहे हैं, जिनको जारी करने अधिकार या कानूनी शक्ति नहीं संविधित संस्थानों के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान यह निर्धारित करता है कि संस्थाएं अपनी-अपनी सीमाओं में काम करें।

संसद में व्हिप की व्यवस्था पर सवाल करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, व्हिप क्यों होना चाहिए? व्हिप का मतलब है कि आप अपने प्रतिनिधि की अभिव्यक्ति को सीमित कर रहे हैं, आप उसकी स्वतंत्रता को सीमित कर रहे हैं, आप अपने प्रतिनिधि को दासत्व की स्थिति में डाल रहे हैं। आप ऐसे व्यक्ति को अपनी मर्जी से सोचने का अवसर नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को लोकतंत्र को बढ़ावा देना चाहिए। निर्वाचित प्रतिनिधियों को अभिव्यक्ति की

जिम्मेदार ठहराने का आह्वान करते हुए श्री धनराज ने कहा, युवा संसद, संस्थाओं, उनके कार्य और सांसदों के प्रदर्शन का परीक्षण करने की स्थिति में है। राजनीति में प्रतिभाशाली लोगों की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नीति निर्माण में प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता है। हमें ऐसे प्रशिक्षित लोग चाहिए जो राजनीति को समझते हों। सरकार को जिम्मेदार ठहराना आसान नहीं है। सरकार को जिम्मेदार ठहराने का एकमात्र तरीका विधानमंडल के मंच के माध्यम से है।

